# B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

## Subject : Sanskrit

## Paper : CC-IV

**Time: 3 Hours** **Full Marks: 60**

*The figures in the margin indicate full marks.*
*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. प्रत्येकं विभागात् न्यूनतया *प्रश्नत्रयं* स्वीकृत्य *दशप्रश्नानामुत्तरं* सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य च समाधीयताम्।
प्रत्যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্ন নিয়ে মোট দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে লেখো। 2×10=20

**'क' विभागः**
**'ক' বিভাগ**

(a) श्रीमद्भगवद्गीतायाः उत्सः कः?
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার উৎস কী?

(b) 'स कालेनेह महता योगो नष्टः परन्तप'– कोऽत्र वक्ता? 'परन्तप' इत्यनेन कः सूचितः? योगः कथं नष्टः अभवत्?
'स कालेनेह महता योगो नष्टः परन्तप'– এখানে বক্তা কে? 'परन्तप' এই পদটির দ্বারা কে সূচিত হয়েছে? যোগ কীভাবে নষ্ট হয়েছিল?

(c) 'सम्भवाम्यात्ममायया'– इत्यत्र ईश्वरस्य आत्ममाया भवति का?
'सम्भवाम्यात्ममायया'–এখানে ঈশ্বরের আত্মমায়া কী?

(d) 'तदात्मानं सृजाम्यहम्'– कः कदा स्वात्मानं सृजति?
'तदात्मानं सृजाम्यहम्'– কে কখন নিজেকে সৃষ্টি করেন?

(e) कति प्राणाः? के च ते?
প্রাণ কত প্রকার? কী কী?

**'ख' विभागः**
**'খ' বিভাগ**

(a) 'विमोहयत्येष ज्ञानमावृत्य देहिनम्'– कः ज्ञानम् आवृणोति? कश्च देहिनं कथं वा विमोहयति?
'विमोहयत्येष ज्ञानमावृत्य देहिनम्'– কে জ্ঞানকে আবৃত করে? কে কীভাবে দেহীকে বিমোহিত করে?

(b) 'योगी युञ्जीत सततमात्मानम्'– योगी केन कथं वा आत्मानं युञ्जीत?
'योगी युञ्जीत सततमात्मानम्'– যোগী কার সঙ্গে এবং কীভাবে আত্মাকে যুক্ত করবেন?

(c) ब्रह्मचारिव्रतं किम्?
ব্রহ্মচারীর ব্রত কী?

(d) आत्मन्तिकं सुखं किम्?
আত্যন্তিক সুখ কী?

(e) कामः कुतः कथं च प्रथवति?
কাম কোথা থেকে এবং কীভাবে উৎপন্ন হয়?

(f) 'युञ्ज्याद् योगमात्मविशुद्धये'– कस्मिन् स्थाने आसने चोपविश्य कथं वा योगी केन सह आत्मानं युञ्ज्यात्?
'যুঞ্জ্যাদ্ যোগমাত্মবিশুদ্ধয়ে'– কোন স্থানে এবং আসনে উপবেশন করে যোগী কার সঙ্গে আত্মাকে যুক্ত করবেন?

(g) तामसप्रियं भोजनं कीदृशम्?
তামসিক ব্যক্তিদের প্রিয় ভোজন কীরূপ?

(h) 'मनश्चञ्चलमस्थिरम्'– मनसः चञ्चलतायाः कारणं किम्? कथं वा अस्य नियमनं भवितुर्महति?
'মনশ্চঞ্চলমস্থিরম্'– মনের চঞ্চলতার কারণ কী? কীভাবেই বা একে নিরুদ্ধ করা সম্ভব?

(i) 'योगोऽस्ति न चैकान्तमनश्नतः'– अनश्नतः कथं योगः नास्ति?
'যোগোঽস্তি ন চৈকান্তমনশ্নতঃ'– উপবাসী ব্যক্তির যোগসাধনা হয় না কেন?

(j) 'कामरूपेण कौन्तेय दुष्पूरेणानलेन च'– कामः कथम् अनलेन तुलितः? कौन्तेय पदेन कोऽभिहितोऽभवत्?
'কামরূপেণ কৌন্তেয় দুষ্পূরেণানলেন চ'– কামকে কেন অগ্নির সঙ্গে তুলনা করা হয়েছে? 'কৌন্তেয়' পদে কে অভিহিত হ

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयं* समाधीयताम्। तेषु च यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा लिख्यताम्। 5x4
নীচের প্রশ্নগুলির থেকে যে কোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) सप्रसङ्गं सुरगिरा व्याख्या कार्या।
সংস্কৃত ভাষায় সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো।

चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः।
तस्य कर्तारमपि मां विद्धयकर्तारमव्ययम्।।

*Or,*

श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति।।

(b) सप्रसङ्गं सुरगिरा व्याख्या कार्या।
সংস্কৃত ভাষায় সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো।

धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च।
यथाल्वेनावृतो गर्थस्तथा तेनेदमावृतम्।।

*Or,*

यथा दीपो निवातस्थो नेङ्गते सोपमा स्मृता।
योगिनो यतचित्रस्य युञ्जतो योगमात्मनः।।

(c) मातृभाषायाम् अनुवद।

मातृभाषाय अनुवाद करो।

तस्मादज्ञानसम्भूतं हृत्स्थं ज्ञानासिनात्मनः।
छित्त्वैनं संशयं योगमातिष्ठोत्तिष्ठ भारत।।

(d) मातृभाषायाम् अनुवद।

मातृभाषाय अनुवाद करो।

यत्रोपरमते चित्तं निरुद्धं योगसेवया।
यत्र चैवात्मनात्मानं पश्यन्नात्मनि तुष्यति।।

(e) को नाम स्वाध्यायज्ञानयज्ञः? द्रव्यमयात् यज्ञात् कथं ज्ञानयज्ञः श्रेयान् भवति?

स्वाध्यायज्ञानयज्ञ की? द्रव्यमय यज्ञ थेकে জ্ঞানযজ্ঞ শ্রেষ্ঠ কেন? 2+3=5

(f) 'योगो भवति दुःखहा'– योगेनैव कथं दुःखनिवृत्तिः स्यादिति आलोच्यताम्।

'योगो भवति दुःखहा'– যোগের দ্বারা কীভাবে দুঃখনিবৃত্তি সম্ভব হয় তার আলোচনা করো। 5

**3.** अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं *द्वितयं* समाधीयताम्।

অধোনির্দিষ্ট প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো *দুইটির* উত্তর দাও। 10×2=20

(a) 'गहना कर्मणो गतिः'– कर्मणः गतिः कथं गहना इति– श्रीमद्भगवद्गीतानुसारम् आलोच्यताम्।

'गहना कर्मणो गतिः'– কর্মের গতি দুর্জ্ঞেয় কেন তা শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার অনুসারে আলোচনা করো।

(b) 'विद्ध्येनमिह वैरिणम्'– अत्र 'एनम्'– इति पदेन कः उद्दिष्टः? कुतो वा अस्य उद्भवो भवति? यथापाठ्यांशानुसारं तस्य स्वरूपम् आलोच्यताम्।

'विद्ध्येनमिह वैरिणम्'– এখানে 'এনম্' পদের দ্বারা কাকে বোঝানো হয়েছে? কোথা থেকেই বা এর উদ্ভব হয়েছে? পাঠ্যাংশের অনুসরণে তার স্বারূপ আলোচনা করো। 1+1+8=10

(c) 'ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्'

मनसः नियमनार्थं कं योगं युञ्ज्यात् योगी? श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं अस्य योगस्य साधनोपायो विशदीक्रियताम्।

'ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्'

মনকে রুদ্ধ করার জন্য যোগী কোন যোগের অভ্যাস করবেন। শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার অনুসরণে এই যোগের সাধনপ্রণালী সবিস্তারে বর্ণনা করো। 2+8=10

(d) आहाराः कति? के च ते? योगसाधनायाम् आहारस्य तात्पर्यम् आलोच्यताम्।

আহার কয় প্রকার এবং কী কী? যোগসাধনায় আহারের তাৎপর্য আলোচনা করো। 1+1+8=10